उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

क्षेत्र –विज्ञान स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी

देश के बच्चों में उत्साहवर्धन, लोकप्रिय और वैज्ञानिक मनोदशा के समावेश के लिए एनसीईआरटी प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन करती है जहाँ विद्यार्थी विज्ञान एवं गणित एवं उनके विभिन्नर क्षेत्रों में अनुप्रयोगों का जीवन में महत्व के लिए अपनी प्रतिभाओं को प्रस्तुत करते हैं। वर्ष1971 में दिल्ली में एनसीईआरटी तथा विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के बैनर के अंतर्गत प्रथम विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनियाँ एनसीईआरटी द्वारा स्वयं ही आयोजित की गई।

वर्ष 1972 से 1978 तक, आयोजित राष्ट्रीय बाल एवं राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनियों को लोकप्रिय बनाने में अपने संयुक्त प्रयासों में जवाहर लाल नेहरू स्मारक निधि ने एनसीईआरटी को सहयोग प्रदान किया। गत वर्ष हमारे विद्यालय से नवमी ब एक विद्यार्थी ईशान सैय्यद संकुल स्तर पर चयनित हो कर राष्ट्रीय स्तर पर (उड़ीसा, भुवनेश्वर ) भाग लिया तथा वहाँ पर अपने परियोजना का प्रदर्शन करने का उसे अवसर प्राप्त हुआ |

## प्रदर्शनी के उद्देश्य

- बच्चों को अपनी स्वातभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता के लिए एक मंच उपलब्ध कराना,
- बच्चों को अपने आस-पास हो रहे क्रियाकलापों में विज्ञान की उपस्थिति का अनुभव कराना
- आत्मनिर्भरता, सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-पर्यावरणीय विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास को प्रमुख साधन के रूप में देखने पर बल देना।
- समाज के उपयोग हेतु अच्छी गुणवत्ता एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उत्पादन हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देना।
- बच्चों को राष्ट्र के भविष्य के प्रति दूरदर्शी बनाना तथा उन्हें संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रोत्साहित करना;
- विश्लेषण करना कि विज्ञान का विकास किस प्रकार हुआ है तथा यह विविध व्यक्तियों, संस्कृतियों एवं समाजों से प्रभावित भी हुआ है। -

प्रेरणा पुरस्कार

हमारे विद्यालय मे गत वर्ष दो छात्राओ को प्रेरणा पुरस्कार के अंतर्गत 10,000 को राशि प्रदान की गयी|इस राशी का उपयोग परियोजना कार्य को पूर्ण करने में किया गया |उन दो छात्राओ के नाम हैं-परिणीता दत्ता और हीरल दसरकर।

हीरल दसरकर को निरी के स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ|